प्यारी लागे ओ साँवरिया,
थाकि मुकट मणि।

दोहा प्रीत लगाकर सांवरा,
तू परदेसा मति जाय,
में ल्याउ मांग कर,
तू बेठो बेठो खाय।

प्यारी लागे ओ साँवरिया,
थाकि मुकट मणि,
ओ मुकट मणि ओ थाके,
सोवे तो घणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।।

भाई रुक्मइयो मारो,
ब्याह जी रचावे देखो जी,
भाई रुक्मइयो मारो,
ओ थाणे तो गई थी मारे,
मांडा की टणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।।

यो शिशुपाळो चंदेरी को राजा,

देखो जी यो शिशुपाळो,
अरे फोज्या ल्यायो जी यो तो,
गणी तो गणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।।

आप न आवो सांवरा,
प्राण तजी देउ जी,
आप न आवो,
आप का बीना तो मारो,
कोन है धणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।।

ओ पदम बणे ओ काई,
ए पाय लागू थाके जी,
पदम पड़े ओ कई,
नाव तो भवंर के या,
बीच मे पड़ी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।।

प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि,
ओ मुकट मणि ओ थाके,
सोवे तो घणी,
प्यारी लागे ओ सांवरिया,
थाकि मुकट मणि।।

गायक रामप्रसाद जी।
प्रेषक कुलदीप मेनारिया
9799294907

Source:
https://www.bharattemples.com/pyari-lage-o-sawariya-thaki-mukut-mani-bhajan/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw